UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)

आधार पाठ्यक्रम

(जमा करने की अन्तिम तिथि: 15 जून 2011)

कोसZ शीर्षक: गढ़वाली में आधार पाठ्यक्रम **कोस कोड:** एफ0जी 0ऐ0–01

सत्र– 2010–11 **अधिकतम अंक– 15**

भाग क में सात लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल पॉच प्रश्नों के उत्तर देने है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक निर्धारित है ।

निम्न की संक्षेप मे चर्चा कीजिए :

1 लोक कथा तथा लोकगाथा का अन्तर स्पष्ट कीजिए!
2 गढ़वाली के किन्हीं दो कवियों का परिचय दीजिए!
3 गढ़वाली लोक–साहित्य के महत्व पर प्रकाश डालिये।
4 खुदेड. गीत को परिभाषित कीजिए!
5 गढ़वाली लोकगाथाओं को वर्गीकृत करते हुए जागर के बारे में बताइये।
6 लोककथाओं की परम्परा वेदों से भी प्राचीन है सिद्ध कीजिए।
7 नौल सिंऊण किसे कहते हैं।

भाग ख में दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल एक प्रश्न का उत्तर देना है! इस प्रश्न के लिए पॉच अंक निर्धारित है।

1 गढ़वाली गद्य साहित्य के महत्व पर प्रकाश डालिये।
2 गढ़वाल की लोक कलाओं पर प्रकाश डालिये।